

राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत आयोजित "विकसित भारत हेतु नशा मुक्त अभियान" की प्रतिवेदन रिपोर्ट

दिनांक: 02 अगस्त 2026

समय: प्रातः 10:00 बजे

स्थान: विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम, मेजर एस.डी. सिंह विश्वविद्यालय, फतेहगढ़, फर्रुखाबाद

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS), मेजर एस.डी. सिंह विश्वविद्यालय, फतेहगढ़, फर्रुखाबाद के तत्वावधान में दिनांक 02 अगस्त 2026 को विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम में "विकसित भारत हेतु नशा मुक्त अभियान" के अंतर्गत एक व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना, नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना तथा विकसित भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना था।

कार्यक्रम का उद्देश्य

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा "नशामुक्त भारत – विकसित भारत" के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाना था। साथ ही विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, नैतिक मूल्यों एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना भी कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य रहा।

कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के शिक्षकगण, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का संदेश एवं संबोधन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रतिभागियों ने लाइव देखा एवं सुना। प्रधानमंत्री जी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में युवाओं से नशे से दूर रहने, स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन अपनाने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं।

कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें नशे के दुष्परिणामों तथा उससे परिवार एवं समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का प्रभावशाली मंचन किया गया। स्वयंसेवकों ने अपने अभिनय के माध्यम से यह संदेश दिया कि नशा व्यक्ति, परिवार एवं राष्ट्र—तीनों के लिए घातक है।

इसके अतिरिक्त नशामुक्ति जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों एवं विद्यार्थियों ने हाथों में जागरूकता संदेश लिखी तख्तीयाँ एवं बैनर लेकर विश्वविद्यालय परिसर में रैली निकाली तथा "नशा छोड़ो-जीवन जोड़ो", "स्वस्थ युवा-समृद्ध भारत", "नशामुक्त भारत-विकसित भारत" जैसे प्रेरणादायक नारों के माध्यम से जन-जागरूकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने "विकसित भारत के निर्माण में नशामुक्त युवा की भूमिका" विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने नशे के सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों पर विस्तृत चर्चा करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवकों, विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से नशामुक्त भारत की शपथ ग्रहण की। सभी ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, अधिष्ठाता, विभिन्न संकायों के शिक्षक, कर्मचारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी, स्वयंसेवक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने विकसित भारत के निर्माण हेतु नशामुक्त समाज की स्थापना में सक्रिय योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया।

यह कार्यक्रम अत्यंत सफल, प्रेरणादायी एवं जन-जागरूकता की दृष्टि से प्रभावशाली रहा। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों में नशामुक्त जीवनशैली अपनाने, सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय सहभागिता की भावना को बल मिला। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को अत्यंत प्रभावी एवं जनोपयोगी बनाया।



एसडी सिंह विश्वविद्यालय के छात्रों ने खाई सौगंध, नहीं करेंगे नशा



मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय गेट से नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकालते विद्यार्थी।

अमृत विचार

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने शनिवार को सौगंध ली कि वे नशे की लत से दूर रहेंगे। सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थियों ने मुख्य मार्ग पर रैली निकालकर लोगों को नशे की लत के नुकसान बताए तथा कभी भी नशा न करने के लिए जागरूक किया।

आयुर्वेद संकाय के डीन प्रो. डॉ. एके बाथम ने विश्वविद्यालय सभागार में विद्यार्थियों को नशे से होने वाले मानसिक, शारीरिक

और आर्थिक नुकसान के बारे में बताया। उन्होंने कहा आप सब भावी चिकित्सक हैं और इसलिए आप पर और बड़ी जिम्मेदारी है कि आप न तो नशे का सेवन करें और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करें। उन्होंने नशा न करने की शपथ भी दिलाई। इसके बाद फार्मसी, नर्सिंग, कला विज्ञान, कॉमर्स एवं मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, विधि सहित सभी संकाय के विद्यार्थियों ने मुख्य मार्ग पर रैली निकालकर लोगों को नशा मुक्त समाज स्थापित करने के लिए जागरूक किया। हाथ में बैनर लिए छात्र-छात्राओं ने अनुशासित रहकर

लोगों को नशे के नुकसान बताए। कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह के निर्देशन में हुए कार्यक्रम में छात्र-छात्राएं उत्साहित दिखे। इस अवसर पर डीन आयुर्वेद डॉ. अम्बरीश कुमार बाथम, उप प्राचार्य डॉ. विनायक किन्नाल, डीन फार्मसी डॉ. बिंदु रावौर, डीन नर्सिंग प्रो. शेरीन पी. एलेक्स, विधि संकाय के डीन डॉ. राजपाल सिंह, डीन इंजीनियरिंग डॉ. अनिल यादव, डीन मैनेजमेंट, डॉ. निखिल श्रीवास्तव, डीन आर्ट एवम साइंस डॉ. ललित यादव, डीन पॉलिटेक्निक धीरेन्द्र सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

ली शपथ, नहीं करेंगे नशा, निकाली रैली मास्कर ब्यूरो

फर्रुखाबाद। मेजर एसडी सिंह विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने शनिवार को सौगंध ली कि वे नशे की लत से दूर रहेंगे। रैली निकालकर लोगों को नशे की लत के नुकसान बताए तथा कभी भी नशा न करने के लिए जागरूक किया।

आयुर्वेद संकाय के डीन प्रो. डॉ. एके बाथम ने विश्वविद्यालय सभागार में विद्यार्थियों को नशे से होने वाले मानसिक, शारीरिक और आर्थिक नुकसान के बारे में बताया। उन्होंने कहा आप सब भावी चिकित्सक हैं और इसलिए आप पर और बड़ी जिम्मेदारी है कि आप न तो नशे का सेवन करें और दूसरों को भी इसके लिए जागरूक करें। उन्होंने नशा न करने की शपथ भी दिलाई। इसके बाद फार्मसी, नर्सिंग, कला विज्ञान, कॉमर्स एवं मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग, विधि सहित सभी संकायों के विद्यार्थियों ने मुख्य मार्ग पर रैली निकालकर लोगों को नशा मुक्त समाज स्थापित करने के लिए जागरूक किया। हाथ में बैनर लिए छात्र-छात्राओं ने



नशा न करने की शपथ लेते शिक्षक और छात्र-छात्राये।

● छात्र-छात्राओं ने लोगों को नशे के दुष्परिणाम बताए

अनुशासित रहकर लोगों को नशे के नुकसान बताए। कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह के निर्देशन में हुए कार्यक्रम में छात्र-छात्राएं उत्साहित दिखे। इस अवसर पर डीन आयुर्वेद डॉ. अम्बरीश कुमार बाथम, उप प्राचार्य डॉ. विनायक किन्नाल, डीन फार्मसी डॉ. बिंदु रावौर, डीन नर्सिंग प्रो. शेरीन पी. एलेक्स, विधि संकाय के डीन डॉ. राजपाल सिंह, डीन इंजीनियरिंग डॉ. अनिल यादव, डीन मैनेजमेंट, डॉ. निखिल श्रीवास्तव, डीन आर्ट एवम साइंस डॉ. ललित यादव, डीन पॉलिटेक्निक धीरेन्द्र सिंह सहित सभी संकायों के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।